दुआ़-ए-क़ुनूत

अल्लाहुम्-म इन्ना नस्तईनु-क व-नस्तग़्फ़िरु-क

इलाही हम तुझसे मदद चाहते हैं और तुझसे मआ़फ़ी माँगते हैं

व नुअ़्मिनु बि-क व-न-तवक्कलु अ़लै-क वनुस्नी

और तुझपर ईमान रखते हैं और तुझपर भरोसा करते हैं और तेरी

अ़लैकल् ख़ै-र, व नशकुरु-क वला न-क्फ़ुरु-क

बहुत तारीफ़ करते हैं और तेरा शुक्र करते हैं और तेरी नाशुक्री नहीं करते

व-नख़लअ़ु व-नतरुकु मंय्यफ़ुजुरु-क अल्लाहुम्-म

और अलग करते हैं और छोड़ते हैं उस शख़्स को जो तेरी नाफ़रमानी करे, इलाही

इय्या-क नअ़्बुदु व-ल-क नुसल्ली व-नस्जुदु व-इलै-क

हम तेरी ही इबादत करते हैं और तेरे ही लिए नमाज़ पढ़ते हैं और सज्दा करते हैं और तेरी ही

नस्अ़ा व-नह्फ़िदु व-नरजू रह-म-त-क व-नख़्शा

तरफ़ दोड़ते हैं और ख़िदमत के लिए हाज़िर होते हैं और तेरी रहमत के उम्मीदवार हैं और तेरे

अ़ज़ा-ब-क इन्-न अ़ज़ा-ब-क बिलकुफ़्फ़ारि मुल्हिक़

अ़ज़ाब से डरते हैं , बेशक तेरा अज़ाब काफ़िरों को पहुंचने-वाला है

मिनजानिब : हाशमी दवाखाना, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, पीस ऑलवेज़ (रजि.)